

15:30-8:30



VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M. No. 07 SEP 2023
N. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2088)

Name of Candidate	VIPIN DUBEY		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	584126
Center	MUKHERJEE NAGAR	Date	07-09-23

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

- Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
- There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**.
इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
- All questions are compulsory.**
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?

Recommended

Strongly Recommended

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp. Punjab & Sind Bank), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009

EVALUATION INDICATORS

- 1. Contextual Competence
- 2. Content Competence
- 3. Language Competence
- 4. Introduction Competence
- 5. Structure - Presentation Competence
- 6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खण्ड-A (Section-A)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:

- 1.(a) दोहरे प्रभाव का सिद्धांत इस विचार पर आधारित है कि यदि किसी व्यक्ति का व्यवहार या आचरण किसी ऐसे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए है जो नैतिक रूप से सही है, लेकिन उसके परिणामस्वरूप एक नैतिक दुष्प्रभाव भी पड़ता है, तब भी उस विशेष व्यवहार या आचरण को अपनाना स्वीकार्य होगा। यह सिद्धांत कठिन नैतिक स्थितियों को सुलझाने में कहां तक सहायता कर सकता है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

The principle of double effect is based on the idea that if a person's behaviour or conduct is intended to achieve a goal which is morally good, however, as a result, there is a morally bad side-effect, then it is still acceptable to adopt that particular behaviour or conduct. How far can this principle aid in resolving difficult moral situations? Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

पॉल स्टुवर्ट कहते हैं कि "आपको क्या करने का प्रयत्न है और क्या करना उचित है; के बीच अन्तर को जानना ही ऐतिहासिक है।"

इस प्रकार व्यक्ति को ऐतिहासिक के अनुक्रम कार्य करने हेतु उसके विभिन्न पक्षों का ज्ञान होना आवश्यक है। उपर्युक्त वाक्य भी इसी का घटक है।

यदि लक्ष्य उचित है, ऐतिहासिक है। फिर भी साधन की पवित्रता की जांच करनी होगी क्योंकि गांधी साधन एवं साध्य की पवित्रता पर बल देते हैं।

उदाहरण

① समावेशी समाज की स्थापना (लक्ष्य)

↳ हिंसा के द्वारा साधन हैं,
इसी स्वीकार किया जाना चाहिए

② डॉक्टर द्वारा मरीज को बचाने का प्रयास करना, किन्तु मरीज की मृत्यु को प्राप्त करना

↳ कार्य उचित है, स्वीकार्य है

③ भैरविका के निर्धारण में इंडेक्स, पारिस्थिति, परिवार, स्लोट एवं साधन-साध्य जैसे
निष्पत्तियों पर विचार करना होगा।

लिफ्टमुरल भी कहते हैं कि

“असत्य भी सत्य का स्थान ले
सकता है यदि इसका परिणाम निष्कर्ष
सार्वजनिक सम्मान हो।”

- 1.(b) भारतीय गणराज्य ने सारनाथ स्थित सम्राट अशोक के सिंह शीर्ष को अपने राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में चुना, ताकि वैसी ही सद्भावना को प्रतिबिंबित किया जा सके जैसी सम्राट अशोक द्वारा हासिल की गई थी और आधुनिक भारतीय राष्ट्र के लोगों के लिए उनके द्वारा लागू की गई मानवीय नीतियों की निरंतरता बनी रहे। इस पृष्ठभूमि में, उन नैतिक शिक्षाओं पर चर्चा कीजिए जो सम्राट अशोक के जीवन में प्रतिलिखित होती हैं।

The Indian Republic chose Ashoka's Lion Capital at Sarnath as its state emblem to reflect the same harmony achieved by him and effect a continuity with his humane policies towards the people of the modern Indian nation. In this background, discuss the ethical teachings that find resonance in Ashoka's life. (Answer in 150 words)

10

सम्राट अशोक भारत के ललितु समाज
के पतिवाक है जिन्होंने धम्म नीति के
माध्यम से पूरे विश्व में शांति का
सन्देश बिपा
उनकी शिक्षाएँ

① प्रशासक हेतु - ऐसे निर्णय लिए जाने
चाहिए जिनमें जनता का हित हो।

② संयम - इसका मानना था कि व्यक्ति
में साहस एवं संयम होना चाहिए
↳ विवेक द्वारा नियंत्रण

③ अहिंसा - कुलिंग युद्ध के बाद उन्होंने
अहिंसा को मूल धर्म माना।

- 4) सहिष्णुता - इशोक ने प्रजा को सहिष्णुता, सामंजस्य एवं सर्व स्वकार्य की भावना सिखाई
- 5) सम्राट इशोक ने प्रजा को सुख, संवेदनशीलता की सीख दी।
- 6) इन्होंने जनमानस को परिवर्ण के प्रति भी तहिष्णु किया।

निष्कर्ष: सम्राट इशोक के सीख आजाद भारत के सपनों एवं इस महोत्सव की प्राप्ति हेतु सीख का कार्य कर रहे हैं।

2.(a) करुणा और सहिष्णुता अनिवार्यताएं हैं, विलासिता नहीं क्योंकि इनके बिना मानवता जीवित नहीं रह सकती। करुणा और सहिष्णुता के मूल्य किसी लोक सेवक के दैनिक काम-काज में कैसे सहायता करते हैं? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Compassion and tolerance are necessities and not luxuries, as without them, humanity cannot survive. How do the values of compassion and tolerance assist in the day-to-day functioning of a civil servant? Explain using suitable examples. (Answer in 150 words)

10

करुणा से आशय किसी व्यक्ति का दूसरे व्यक्ति के मन: स्थिति को समझने एवं उसकी व्यथा दूर करने का सहिष्णु प्रयास है।

सहिष्णुता से आशय अपने से विभिन्न विचार, समूह, गलों को स्वीकारने से है।

करुणा की आवश्यकता (सिविल सेवकों हेतु)

① सामाजिक न्याय की सुनिश्चितता

↳ बायोमेट्रिक पहचान न होने पर भी PDS का लाभ प्रदान करना।

② P. नरहरि (IAS, MP) ने दिव्यांगों हेतु

सुगम्य पोटल का निर्माण किया

↳ सामानुभूति पूर्वक कार्य

③ डा. हनुमंत राव पटुपेली (पद्मपुरस्कार)

↳ वह लोगों को शिक्षित दिव्यांगों के पुनर्वास हेतु कार्य करते हैं।

सहिष्णुता की आवश्यकता

- ① संतोष मिश्रा (IPS) → CAA के दौरान मुस्लिम समुदाय को CAA के प्रावधानों को समझाना।
- ② पर्यावरण की रक्षा - राबिबार्स पोपे, तुलसी गौड़ा (पद्मपुरस्कार) के द्वारा जैविक खेती, पर्यावरण संरक्षण आदि कार्य किया।
- ③ भारत की विविधता एवं अखंडता का रक्षण

हात: रुकना एवं सहिष्णुता
इस बात का ध्यान है कि प्रत्येक व्यक्ति "साईं के सब जीव है; नीरी कुंजर होय"। (कबीर के शब्दों में)। यही कारण है कि बुद्ध रुक्ना को सभी धर्मों का मूल बताते हैं।

2.(b) जवाबदेही के लिए पारदर्शिता एक अनिवार्य शर्त है, लेकिन यह स्वतः जवाबदेही की गारंटी नहीं देती है। चर्चा कीजिए। किन परिस्थितियों में पारदर्शिता जवाबदेही की ओर ले जाती है?

Transparency is a necessary condition for accountability, but it does not automatically guarantee accountability. Discuss. Under what conditions does transparency lead to accountability? (Answer in 150 words) 10

द्वितीय प्रशासनिक सुधार की 4th रिपोर्ट के अनुसार पारदर्शिता से आशय जवाबदेही एवं छुलापन से है।

पारदर्शिता के द्वारा सूचना का आदान-प्रदान, विश्वास सृजन, शिकायत निवारण का प्रभावी होना आदि संक्रियाएँ होती हैं, यही सार्वजनिक सेवा की जवाबदेही निश्चित करती है।

हालांकि पारदर्शिता में निहित ~~अनिश्चित~~ ~~अनिश्चयपूर्णता~~ इसकी जवाबदेही को प्रभावित करती है अतः

- ① सूचना की गोपनीयता रखना।
- ② सरकारी योजनाओं की जानकारी न होना
- ③ शिकायत निवारण पर अनिश्चय न लेना

पापशिला → जवाबदेहिता

- ① खुलापन → जब सूचना प्रति हेतु खुलापन हो।
- ② बांकड़ों की उपलब्धता → जब मंत्री की प्रचाराओं तक स्वतंत्र पहुँच हो।
- ③ प्रभावी शिक्षाप्रत निवाण → प्रभावी शिक्षाप्रत निवाण प्रभावी गतिवित्त लेक्चरों में रूप रूपन करती है।
- ④ अनुक्रियाशीलता को बढ़ावा

दोत? पापशिला जवाबदेहिता की पूर्ण कार्य है।

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What does each of the following quotations mean to you?

- (a) "एक महान व्यक्ति एक प्रतिष्ठित व्यक्ति से इस मायने में भिन्न होता है कि वह समाज का सेवक बनने के लिए तैयार रहता है।" डॉ. भीमराव अंबेडकर

"A great man is different from an eminent one in that he is ready to be the servant of the society." B.R. Ambedkar (Answer in 150 words) 10

गांधी कहते हैं कि स्वयं को खोजने का सर्वोत्तम मार्ग यह है कि आप सपने को दूसरों की सेवा में खो दें।

महान व्यक्ति अपने को सैक मानते हुए दूसरों की सेवा में स्वयं को अर्पण कर देता है उसे प्रतिष्ठा की चाह नहीं होती है।

इसरी ओर प्रतिष्ठित व्यक्ति वही कार्य करता है जिससे प्रतिष्ठा की प्राप्ति हो। ऐसे में वह सैक नहीं वासक की भूमिका में रहता है एवं पब्लिसिटी पाने का अपास करता है।

जासंगिकता

- ① हिराबाई जोशी - गुप्तनामी में पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करती रही।

↳ उन्हें पद्मपुरस्कार से सम्मानित किया गया।

② श. नलिनी पार्थसारथी (पद्मपुरस्कार)
बिना प्रविष्टि एवं प्रसिद्धि की चाह के वे हीमोफिलिया से पीड़ित लोगों का मुफ्त बलात्र कर रही हैं।

③ रमा वांग्चु (हमनाचल जेडा के पूर्व मंत्री)
सीमावर्ती क्षेत्रों में शिक्षा की लाख जगहों का कार्य कर रही हैं।

④ अनुकृति बार्मा (IPS)
↳ पुलिस व जनता के मध्य संतुलन को पालने का कार्य कर रही हैं।

कतः प्रविष्टि तो बाल्य तरीके से भी प्राप्त की जा सकती है, महानग स्तर में सहिष्णुता, समातुष्टि एवं समर्पण द्वारा ही प्राप्त होती है।

3.(b) "हमारे धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, भाषाएं अलग-अलग हो सकती हैं, त्वचा का रंग अलग-अलग हो सकता है, लेकिन हम सभी एक ही मानव जाति से संबंधित हैं।" कोफी अन्नान

"We may have different religions, different languages, different colored skin, but we all belong to one human race." Kofi Annan (Answer in 150 words)

10

हीनदम्भाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद
का सिद्धांत दिया। जबकि शंकराचार्य ने
कट्टेतवाद का मार्ग प्रशस्त किया।

कोफी अन्नान भी मानव के सभी
कट्टे एवं एकात्म सिद्धांत की ओर
दृष्टिपात कर रहे हैं।

आशय - प्रत्येक व्यक्ति परम सत्ता की
संलग्न है, जन्म के पश्चात मानव समाज
ने धर्म, भाषा, जाति, किंग, रंग आदि
भेद गढ़ दिए किन्तु वास्तव में हम
सभी एक ही परम सत्ता के वंशज हैं।
और मूल्य पश्चात इसी में मिल जायेंगे।

जातीयता

① वैमनस्य का समापन - श्वेत-अश्वेत, स्याथि

एवं धार्मिक संरुट को दूर किया जा सकता है।

② हात्कवाद की समालोचा का समापन

हात्कवाद, नस्लवाद जैसी सोच समाप्त की जा सकती है।

③ जलवायु परिवर्तन से बचना - जलवायु

संरुट से बचने एवं पर्यावरण के प्रत्येक तत्व में वृश्वर की उपस्थिति महसूस करना

कतः बहुद्यैव जुहुम्बकम् एवं

माताश्रुति पुत्तोमहम् प्राधिव्याः की

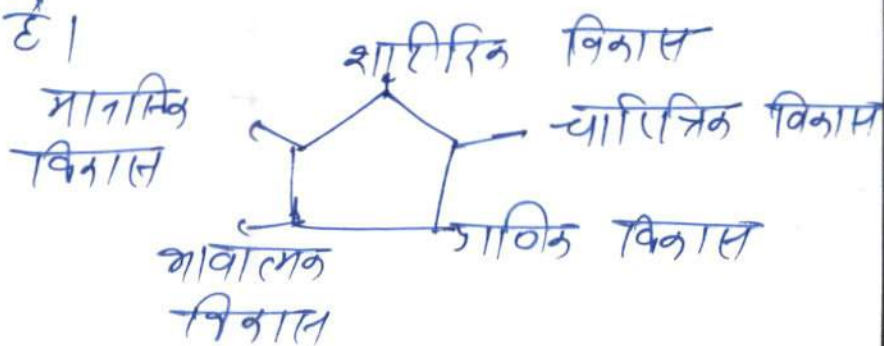
मानववृत्ति के साथ प्रत्येक मानव को अपना स्वका भाव होना चाहिए।

3.(c) "शिक्षा का उद्देश्य तथ्यों का नहीं, बल्कि मूल्यों का ज्ञान है।" विलियम राल्फ इंगे

"The aim of education is the knowledge, not of facts, but of values."
William Ralph Inge (Answer in 150 words) 10

नेल्सन मंडेला का मानना है कि "शिक्षा
सबसे शक्तिशाली हथियार है जिससे
ज्ञाप दुनिया में बदलाव ला सकते हैं।"

विलियम साहब का मानना है कि शिक्षा
तथ्यपरक नहीं मूल्यपरक होनी चाहिए।
हैनरीय उपनिषद् के [पंचकोश जगन्नी] के
शिक्षा के सभी तत्वों को शामिल किया
गया है।



[ढाँचा] ढाँचा यह है कि तथ्यपरक शिक्षा
मनुष्यों को मशीन बना देती है जिससे
अज्ञान, लापरवाही, संवेदनहीनता जन्म
लेती है। जबकि मूल्यपरक शिक्षा व्यक्ति
को संवेदनशील बनाती है जिससे सभ्य
समाज का निर्माण हो सके।

प्रामाणिकता

① पूर्व राष्ट्रपति कलाम साहब के अनुसार

"यदि किसी राष्ट्र को भ्रष्टाचार मुक्त एवं सुन्दर बनाने वाला बनाना है तो तीन लोग परिवर्तन ला सकते हैं - माता, पिता, शिक्षक"

② विद्या ददाति विनयम् - विद्या विनय प्रदान करती है।

③ तत्त्वपरक शिक्षा उपभोक्तावादी, निरंकुशता, कमवेदनशीलता का विकास करती है।

④ गांधी कहते हैं - चरित्र के बिना ज्ञान विषयक है।
हम वर्तमान शिक्षा में तेल्लिटीप इन्फोर्ट के शिक्षा प्रणाली को ठपनाना चाहिए जिसमें तत्त्वपरकता के साथ-साथ मूल्यपरक शिक्षा का समावेश हो।

- 4.(a) नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस की अवधारणा समता के संतुलन के सिद्धांत पर काम करती है, जिसके तहत एक तरफ कंपनी, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, वित्त-पोषकों, सरकार और शेयरधारकों तथा दूसरी तरफ बड़े पैमाने पर समुदाय के हितों में संतुलन बनाए रखा जाता है। नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस सुनिश्चित करने में कौन-से मूल्य मुख्य भूमिका निभाते हैं?

The concept of ethical corporate governance works on the principle of balance of equity, which seeks to balance the interests of the company, customers, suppliers, financiers, government and shareholders on the one hand and the community at large on the other hand. Which values play a central role in ensuring ethical corporate governance? (Answer in 150 words)

10

नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस से आशय संस्था को चलाने, निर्देशित करने के तरीके हैं जिसमें अनिवार्यतः नैतिक मूल्यों को शामिल किया जाता है। यह गांधी की -याचना सिद्धांत के अनुरूप है।

मूल्य: कॉर्पोरेट गवर्नेंस हेतु

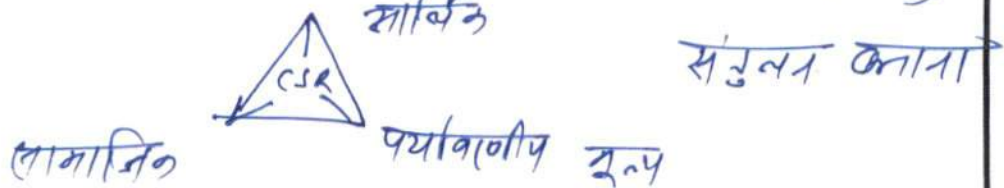
- ① पारदर्शिता - कॉर्पोरेट के कार्यप्रणाली, उत्पादों के बारे में, राजस्व उत्पादों के बारे में पूर्ण पारदर्शिता।
- ② महिलाओं हेतु - महिला कार्यों के लिए POSH एक्ट 2013 के तहत तांत्रिक शिक्षण समिति का गठन
↳ लगाने कार्य के लिए समान वेतन

③ पर्यावरण संरक्षण - कार्पिक मूल्यों पर पर्यावरणीय मूल्यों को महत्व देना।

↳ पर्यावरण मित्र तकनीक का उपयोग।

④ गांधी की यादगिर मिहान्त का अनुसरण
गांधी के अनुसार प्रजीपत्तियों को अपनी कृषि का 10% ले कृषि घास रक्षा चरित
↳ लान का बराबर बंटवार।

⑤ कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR)



उदा: कार्पोरेट गवर्नेंस को उद्योग कोटक समिति, कुमार मंगलम समिति के कठिनेशों पर अधिक कजबत एवं सार्थक बनाया जा सकता है।

- 4.(b) खराब कार्य परिवेश और अतिरिक्त श्रम ऐसी सामाजिक समस्याएं हैं, जिनके लिए सरकार, श्रमिक संघों, स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कॉर्पोरेट जगत को उचित नीति निर्माण करने की आवश्यकता है। इस संबंध में उचित नीति निर्माण करते समय किन नैतिक मुद्दों पर विचार किया जाना चाहिए?

Toxic work environment and overwork are social problems, which require the government, labour unions, health officials and corporates to formulate appropriate policies. What are the ethical issues that should be considered while formulating appropriate policies in this regard? (Answer in 150 words)

10

कार्मिकों की उत्पादकता निर्धारित करने एवं उनके अधिकारों के संरक्षण हेतु कार्य परिवेश एवं श्रम संबंधी कानून सुधार की आवश्यकता है।

नीति निर्माण हेतु निम्न नैतिक मुद्दों को ध्यान रखना चाहिए -

① कार्य परिवेश -

स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों का निरीक्षण

→ मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति
(बिजली, पेपजल)

→ खतरनाक जैवों के निष्कर्षण से बचाव (LC कंपनी ने स्ट्रापरीन गैस का)

→ कार्मिकों का निरंतर स्वास्थ्य जांच।

कठिनिष्ठ
ज्ञान → डीवाटावम प्रदान करना
→ कभी-कभी ही कठिनिष्ठ
ज्ञान हो
→ उत्पादकता प्रभावित होती है

मुख्य मुद्दे

- ① महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा।
→ विशाखा न्यायपालिका का अनुसंधान
- ② कॉर्पोरेट गवर्नेंस का पालन
→ National foundation for
corporate governance
- ③ CSR का पालन करना
- ④ नार्मिनों का निमा कराना

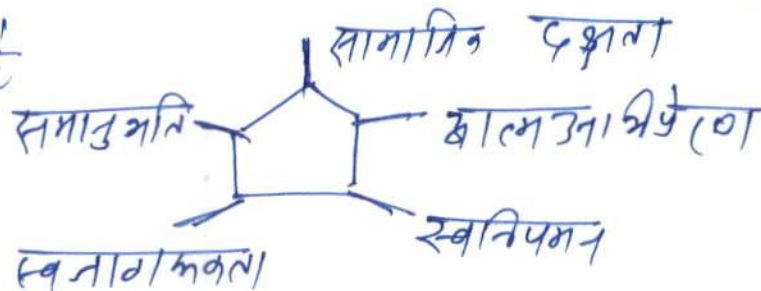
नतः ध्यान रखना चाहिये कि
संस्थान में कार्यरत नार्मिक साध्य हैं,
साध्य नहीं।

5.(a) नेतृत्वकर्ताओं के लिए, सफलता हेतु भावनात्मक बुद्धिमत्ता का होना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें दूसरों की भावनाओं को सहजता से समझने और उनकी भावनात्मक स्थिति का आकलन करते हुए, अपनी भावनाओं को समझने एवं नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है। हालांकि, वर्तमान परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में प्रभावी नेतृत्व के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता से परे जाने और सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता को विकसित करने की आवश्यकता है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

For leaders, having emotional intelligence is vital for success as it helps them to read and regulate their own emotions while intuitively grasping how others feel and gauging their emotional state. But effective leadership in today's interconnected world necessitates going beyond emotional intelligence and cultivating cultural intelligence. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

सेलोवी-ग्रेफ मॉडल के अनुसार "भावनात्मक बुद्धिमत्ता" इसी की भावनाओं को समझना, अपनी भावना से उसे जोड़ना एवं भावनाओं के नियंत्रण से संबंधित है।

डेनियल गोलमैन के अनुसार EI के पाँच तत्व हैं



नेतृत्वकर्ता को दूसरों के भावनाओं की समझ होगी तब वह प्रभावी निर्णय ले पाएगा। हालांकि वर्तमान में इसकी संकल्पना व्यापक होकर सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता के रूप में बदल गयी है।

सांस्कृतिक वृद्धिगता -

इससे आशय है कि सांस्कृतिक मूल्यों को समझना एवं उनसे बहुत ना विचलित होना है।

उदाहरण

① पंचायत राज को सुनिश्चित करने के लिए

↳ बौद्ध धर्म में बोधिसत्व से जोड़ना
जैन धर्म के सम्पद पर्व, सम्पद आदि से जोड़ना

↳ हिन्दू धर्म के नवग्रहों से जोड़ना

↳ मुस्लिम धर्म के कुरान से जोड़ना

② अंतराष्ट्रीय संबंधों में — पश्चिमी एवं अफ्रीकी देशों के साथ बौद्ध धर्म के सम्बन्धों को जोड़ना

इस प्रकार सांस्कृतिक वृद्धिगता

के द्वारा विचार को लागू करवाना एवं लोगों की सहभागिता व्यापक होना चाहिए सुनिश्चित करना चाहिए।

5.(b) शुचिता (प्रोबिटी) सत्यापित सत्यनिष्ठा होती है, जिसके बारे में आमतौर पर माना जाता है कि इसे विकृत नहीं किया जा सकता। अभिशासन में शुचिता का क्या महत्व है? लोक सेवा में शुचिता और नैतिक शासन को बढ़ावा देने में नेतृत्व की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Probity is confirmed integrity, which is usually regarded as being incorruptible. What is the significance of probity in governance? How important is the role of leadership in fostering probity and ethical governance in public service? Explain using suitable illustrations. (Answer in 150 words)

10

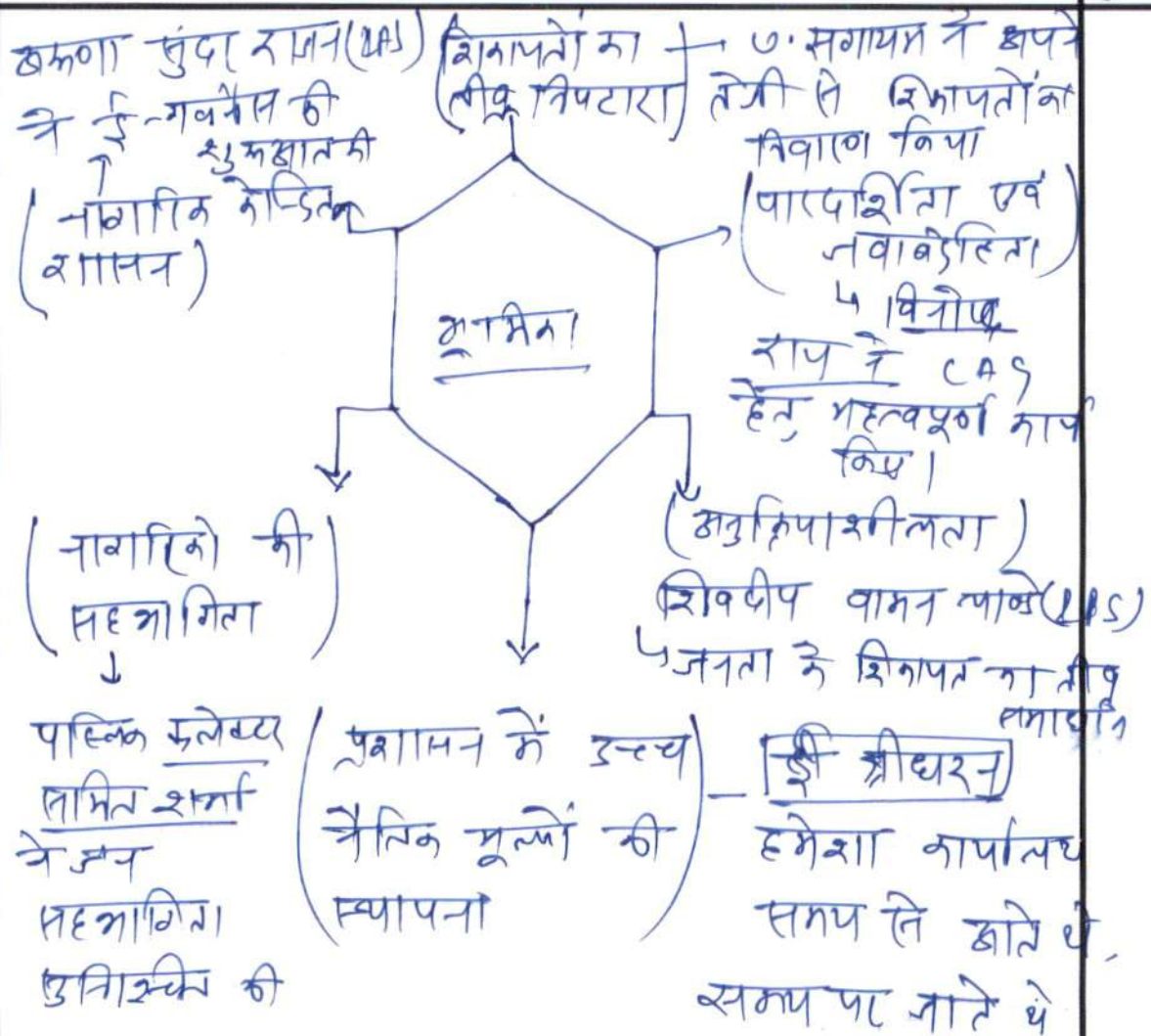
शुचिता एक व्यापक संकल्पना है जो
बनेक नैतिक मूल्यों जैसे सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता,
संवेदनशीलता, समापुष्टि आदि का समुच्चय है
शुचिता = ३ (सत्यनिष्ठा, समापुष्टि, सहिष्णुता-)

अभिशासन में शुचिता का महत्व

- ① लोकाचार - लोकाचार का अनुसरण करना
- ② साम्प्रदायिकता - सभी में समानता स्थापित करना
- ③ कार्यकुशलता - कार्य को कुशलतापूर्वक सम्पादन में
- ④ त्रैलिकता - नैतिक मूल्यों का विपरीत परिस्थितियों में स्थापन

लोकसेवा में शुचिता और नैतिक शासन और नेतृत्व की भूमिका

- ① विधि का शासन - विधि का शासन स्थापित करने में



अतः केवल कानून का अनुपालन ही काफी नहीं है लोकसेवकों में अपने कर्तव्यों के उभाकी पालन हेतु नैतिक मूल्यों के प्रति अविकसित संवेदनशक्ति भी होना चाहिए।

- 6.(a) भारत में वैवाहिक बलात्कार की धारणा और इसके प्रति अनुक्रिया को आकार देने में नैतिक अभिवृत्ति की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। देश में वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने में विद्यमान नैतिक मुद्दों की व्याख्या कीजिए।

Analyse the role of moral attitude in shaping the perception and response to marital rape in India. Explain the ethical considerations in criminalising marital rape in the country. (Answer in 150 words) 10

'नो मीन्स नो' की अवधारणा को पितृसत्तात्मक समाज समझ नहीं पा रहा है जिसके कारण वैवाहिक बलात्कार से घटना तेजी से बढ़ रही है।

नैतिक अभिवृत्ति के द्वारा व्यक्ति के संज्ञानात्मक, भावनात्मक एवं व्यवस्थात्मक पक्ष को बदला जा सकता है।

① संज्ञानात्मक पक्ष - विचार, मूल, विश्वास, धारणाओं के द्वारा व्यक्ति के संज्ञानात्मक पक्ष में बदलाव लाना चाहिए

② भावनात्मक पक्ष - भाव वस्तु के द्वारा व्यक्ति के सोच, भावना, ठोस एवं उल्लिखित मार्ग को बदला जाएगा

③ व्यवस्थात्मक पक्ष - क्षेत्र में व्यक्ति के अपराध को बदला होगा।

गांधी जी कहते हैं कि व्यक्ति और
सुदृढ़ नहीं अपने विचारों का उत्पाद होता
है जो जैसा सोचता है वैसा ही बन जाता है

वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने में
मैलिक मुद्दे

- ① वैवाहिक संबंध - वैवाहिक संबंध का
झायाली विश्वास है
- ② प्रजनन - प्रजनन की व्याख्या भी
उत्पन्न होगी
- ③ बालक मामलों में एडि - शिकायत पहिले
बदले की भावना से हो
- ④ बच्चों पर प्रभाव
उनके परिवार एवं ऐसे
इससे जन्म लेने वाले बच्चे का भावि

इतना: वैवाहिक बलात्कार को
अपराध घोषित करने से पूर्व व्यक्ति
विचार विमर्श की आवश्यकता है

6.(b) नैतिक निर्णय के लिए चेतना के अलावा विवेक का होना भी आवश्यक है। उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Apart from consciousness, one needs to possess conscience in order to make ethical decisions. Explain with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

ठरलु सद्गुण को नैतिक महत्व देते हैं किन्तु सद्गुण की उत्पत्ति के लिए ज्ञान को माध्यम बताते हैं। वसी ज्ञान ब्रह्मोपनिषद् में कहा गया है कि

व्यक्ति का शरीर - रथ के समान
विवेक या आत्मा - सारथी
बुद्धि - घोड़े
मन/चेतना - लगाम

ऐसे में चेतना के अलावा विवेक भी होना आवश्यक है। उदाहरण

- ① डार्मस्ट्रांग पार्क (DAS) ने मणिपुर में 100 किमी. का सड़क निर्मित कराया
- ↳ सरकारी सहयोग के बिना
 - ↳ विवेक के प्रयोग जनता से वित्त एवं श्रम प्राप्त किया।

② द्विजा देवरक्षन (DAS) ST समुदाय
के कल्याण के लिए स्वयं उनके
साथ हथेली लगी।

↳ चेतना + विवेक + रुढ़ता का
समावेश

③ प्रत्यक्ष समूह (DAS) बिहार में ग्राम-ग्राम
की जीविका एवं सार्वजनिक निर्माण कार्य
में सहभागिता एवं गैर सरकारी सेवार्थ
करते हैं।

↳ चेतना + विवेक

④ श्री मूलचक्र जोड़ा (प्रमदुलका) लोगों
के कल्याण, शिक्षा, पुनर्वास हेतु कार्य करते हैं।

इतना जैतिक निर्माण में
चेतना के साथ-साथ विवेक का
होना भी आवश्यक है।

खण्ड-B (Section-B)

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत मामले का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और फिर इसके बाद आने वाले प्रश्नों का उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

7. भले ही LGBTQIA+ युगल एक साथ रहते हों लेकिन कानूनी तौर पर वे एक प्रतिकूल स्थिति में हैं। उन्हें वे सारे अधिकार प्राप्त नहीं हैं जो विवाहित जोड़ों को प्राप्त हैं। उदाहरण के लिए- LGBTQIA+ युगल, बच्चों को गोद नहीं ले सकते या सरोगेसी से बच्चा पैदा नहीं कर सकते हैं, उनके पास विरासत, भरण-पोषण और कर लाभ के स्वतः मिलने वाले अधिकार नहीं हैं तथा अपने साथी के निधन के बाद, उन्हें पेंशन या मुआवजे जैसे लाभ नहीं मिल सकते हैं। इससे भी बड़ी बात यह कि विवाह एक सामाजिक संस्था है जो कानून द्वारा निर्मित और विस्तृत रूप से विनियमित है, ऐसे में सामाजिक स्वीकृति के बिना, समलैंगिक युगल एक साथ जीवन जीने के लिए संघर्ष करते हैं।

समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने के लिए हाल के वर्षों में न्यायालयों में कई याचिकाएं दायर की गई हैं। लैंगिक अधिकार प्रचारकों के अनुसार, समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के बाद समलैंगिक विवाह को मान्यता देना अगला तार्किक कदम होना चाहिए।

हालांकि, दूसरा दृष्टिकोण यह है कि न्यायिक व्याख्या विवाह की अवधारणा को अस्त-व्यस्त या कमजोर न कर दे। यह तर्क दिया जाता है कि सरकार के लिए बीच का रास्ता यह हो सकता है कि वह समलैंगिक युगल की दलीलों पर गौर करने और कोई रास्ता सुझाने के लिए किसी पैनल का गठन करे।

एक जागरूक व्यक्ति के रूप में, जो इस मुद्दे के विभिन्न आयामों को समझता है, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- क्या आपको लगता है कि भारत में समलैंगिक विवाह को राज्य द्वारा मान्यता दी जानी चाहिए?
- आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए कि क्या कानून सामाजिक परिवर्तन लाने में प्रभावी हो सकता है।

Even if the LGBTQIA+ couples live together, legally, they are on a slippery slope. They do not enjoy the rights that married couples do. For example, the LGBTQIA+ couples cannot adopt children or have a child by surrogacy, they do not have automatic rights to inheritance, maintenance and tax benefits, and after a partner passes away, they cannot avail benefits like pension or compensation. Most of all, since marriage is a social institution that is created by and highly regulated by law, without this social sanction, same-sex couples struggle to make a life together.

A number of petitions have been filed in recent years in courts for the legal recognition of same-sex marriages. Gender rights campaigners believe that recognizing same-sex marriages is the next logical step after the decriminalization of homosexuality.

However, the other point of view is that the concept of marriage ought not to be disturbed or diluted by judicial interpretation. It is argued that a middle path could be for the government to set up a panel to look into the pleas of same sex couples and recommend a way out.

As an aware individual, who understands various dimensions of this issue, answer the following:

- Discuss the ethical issues involved in the case.
- Do you think same-sex marriage should be recognised by the State in India?
- Critically examine whether law can be effective in bringing about social change.

20

पुल्लास्वामी काद में निजता को दुलभाधिकार
घोषित किया गया एवं नवनेश सिंह जोषी
पादमें 143T8+ के लैंगिक संबंध को
द्वपलाय की श्रेणी से बाहर कर दिया गया
[SC] ने यह भी कहा कि समलैंगिकों
को संविधान के तहत समानता, सम्मान,
निजता कादि अधिकार प्राप्त हैं।
हालांकि कभी भी वे मुख्यधारा के लोग
नहीं माने जाते हैं इसमें निहित वैचारिक
मुद्दे -

① संविधान के मूल्यों का संगीकरण

↳ संविधान में निहित है कि
सभी व्यक्तियों को समानता, गरिमा
इत्यादि का अधिकार मिलेगा।

② 143T8+ - उनके अधिकारों का संरक्षण

→ फलक, विरासत संरक्षण, मार्किट
सक्रियताओं में सहभागिता सुनिश्चित करना

④ समाज की प्रतिक्रिया -

- समाज द्वारा स्वीकार नहीं
- समाज के बने बनाए नियमों में
LGBTQ+ का कोई स्थान नहीं है।
- LGBTQ+ के साथ संबंध + जैसे
वर्तमान में चाचा-चाची, मौसा-मौसी
↳ उन्हें कैसे संबोधित करेंगे
- प्रजनन के द्वारा बच्चे पैदा करना
↳ प्राकृतिक नियम की अनदेखी

⑤ भारत में समलैंगिक विवाह को
राज्य द्वारा मान्यता देना वर्तमान
समय की आवश्यकता है क्योंकि पश्चिमी
समाज पहले ही इसे स्वीकार कर
चुके हैं। इसके खुल-फोड़

गुण → संविधान में निहित मूल्यों का
अनुसरण

- सेम्सुशल प्रिफरेंसेस निर्धारण में स्वतंत्रता
- लैंगिक विविधता को बढ़ावा मिलेगा।
- समेकित सहिष्णुता, समावेशिता, कठुणा जैसे दृष्टि निहित हैं।

गिांदा भी कहते हैं कि दूसरों के साथ वही व्यवहार करें जो हम स्वयं के लिए दूसरों से इम्तीद करते हैं।

दोष सामाजिक नियमों की अनदेखी
 ↳ संबंधों के निर्धारण में क्षमिकता
 ↳ चाचा-चाची, मौला-मौली

① कानून सामाजिक परिवर्तन लाने में प्रभावी हो सकता है कि अगर इल्लधन करने पर पण्ड का जवधान हो तो समाज धीरे-धीरे इसे स्वीकार कर लेगा हमारे समे

जैसे - सती प्रथा, काल विवाह में कमी

उपाय ① कानून लाने से पूर्व लोगों की
मनोवृत्ति में परिवर्तन करना चाहिए

② NDO's, IMD's समूह के द्वारा लोगों
में जागरूकता उत्पन्न करना चाहिए।

③ ग्रामिण व्यक्तित्व के द्वारा लोगों का
अनुयाय करना चाहिए

④ पंचायतों के स्तर पर मनोवृत्ति में
परिवर्तन के प्रयास करना।

हमें ध्यान रखना चाहिए कि
डॉ. डे. बेतिले कहते हैं कि कानून
यह निर्धारित करता है कि समाज को
किस ओर जाना चाहिए, सामाजिक
मानक यह निर्धारित करते हैं कि
समाज किस ओर जाएगा।

8. लॉयड एक सच्चा और ईमानदार अधिकारी है। वह एक ऐसे राज्य में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत है, जो गैंग कल्चर और आपराधिक गतिविधियों के लिए कुख्यात है। उसके बेदाग ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर, उसे चार महीने पहले राज्य की राजधानी में स्थानांतरित कर दिया गया था। इससे उसकी पत्नी और बेटी भी खुश हैं क्योंकि उनकी पिछली सभी पोस्टिंग की तुलना में राजधानी अपेक्षाकृत सुरक्षित है।

हाल ही में, एक अपराधी जिस पर मुकदमा चल रहा था और उस पर कई गंभीर मामलों के आरोप थे, की अदालत ले जाते समय कुछ लोगों ने राजधानी में हत्या कर दी।

पुलिस हिरासत में अपराधियों की मौत के मामले में राज्य पुलिस का रिकॉर्ड खराब होने के कारण कई मानवाधिकार संगठन इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। उन्होंने इस मामले में अदालतों का दरवाजा खटखटाया है और बाद में इसकी जांच-पड़ताल के लिए राज्य सरकार द्वारा एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया है।

चूंकि इस घटना के दौरान अपराधी को ले जाने वाले पुलिस अधिकारी उस पुलिस स्टेशन से हैं जो लॉयड के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए उसे सभी विवरणों के साथ SIT के सामने पेश होना होगा। जांच के दौरान लॉयड को ऐसे विवरण मिले, जो स्पष्ट रूप से एक प्रमुख राजनेता और अपराधी के बीच सांठगांठ को प्रदर्शित करते हैं। उसने एक रिपोर्ट तैयार की और इसे SIT के साथ साझा करने की योजना बना रहा है। उसके निष्कर्षों के आधार पर, संबंधित अपराधी और राजनेता की सांठगांठ उजागर होगी तथा राजनेता पर भी आरोप लग सकते हैं।

लॉयड के वरिष्ठ अधिकारियों ने उससे रिपोर्ट के निष्कर्षों के बारे में पूछा और रिपोर्ट से राजनेता को प्रभावित करने वाली जानकारी को हटाने की सलाह दी। लॉयड ने बताया कि रिपोर्ट में उल्लिखित राजनेता सार्वजनिक जीवन में एक बहुत ही प्रमुख व्यक्ति है और राज्य के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ उसके संबंध भी अच्छे हैं। लॉयड के वरिष्ठ अधिकारियों ने उसे समझाते हुए कहा कि यदि वह उस राजनेता का नाम हटा देगा तो वह सत्ता में बैठे राजनेता का चहेता बन सकता है। इसके अलावा, उसे राजधानी में तैनात रहने में भी मदद मिलेगी, जिससे उनकी पत्नी और बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

(a) इस स्थिति से निपटने के लिए लॉयड के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

(b) प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और लॉयड द्वारा अपनाने योग्य सबसे उपयुक्त विकल्प की पहचान कीजिए।

(c) पुलिस हिरासत में होने वाली मौतों को रोकने के लिए आप क्या उपाय सुझाएंगे?

Lloyd is an honest and upright officer working as the Superintendent of Police in a state, which is notorious for gang culture and criminal activities. Based on his impeccable track record, he was transferred to the state capital four months ago. His wife and daughter are also happy as the capital city is comparatively safer compared to all his previous postings.

Recently, a criminal who was under trial and facing charges in a number of serious cases, was killed by some people in the capital city while he was being taken to the court.

Due to the poor record of the state police in terms of death of criminals in police custody, various human rights organizations are demanding a fair enquiry in the case. They have approached the courts in this matter and subsequently a Special Investigation Team (SIT) has been formed by the state government to look into this issue.

Since the police officers escorting the criminal during this incident are from the police station that comes under Lloyd's jurisdiction, he will be required to depose before the SIT with all the details. While investigating, he came across details, which clearly establish a nexus between a prominent politician and the criminal. He prepared a report and was planning to share it with the SIT. On the basis of his findings, the nexus of the concerned criminal with the politician would be exposed and the politician may also face charges.

Lloyd's senior asks him about the findings of the report and advises him to drop the information implicating the politician from the report. He informs that the politician mentioned in the report is a very prominent figure in public life, and shares good relations with all the major political parties in the state. His senior further informs that this will bring him in the good books of those in positions of power. Further, this will also help him remain posted in the capital city, which ensures the safety of his wife and daughter.

- What are the options available with Lloyd to deal with the situation?
- Critically evaluate each of the options and identify the most appropriate one for Lloyd to adopt.
- What measures would you suggest to prevent deaths in police custody

20

उत्तर के चारु वाक्यों में - याचालय ने निर्णय
 दिया था कि कस्टडी में मौत अपत्यस
 रूप से राज्य द्वारा की गयी हत्या है
 पिछले वर्ष स्टेन स्वामी की कस्टडी में
 मौत की बाबें उच्च-याचालय ने पुलिस
 पर सख्त टिप्पणी की थी।
 यह हैस इस मामले के साथ-साथ
राजनीति - कपराबी गब्बोड की तथ्य
 ध्यान आकर्षित करती है

तृतीय विकल्प का विश्लेषण

तृतीय विकल्प में अधिकारियों के पदों में बालक कार्य को भी निभा करने की मंशा दिख रही है। यह एक सत्यनिष्ठ अधिकारी का लक्षण नहीं है हालांकि इसमें अधिकारी आदेश का पालन किया गया है।

यह इस बात का भी सूचक है कि मैं (बॉय) पदों में अनुशासन कर सकता हूँ।

③ पुलिस हिरासत में लोगों को लेने के लिए —

- ① CCTV कैमरों को लगाया
- ② गुल्जा समिति के सिफारिश अनुसार पुलिस कार्रवाई का प्रशिक्षण

- ③ पुलिस को मानवाधिकारों का प्राधिकार।
- ④ पुलिस के कार्यों को कम करना
- ⑤ NGO's, मीडिया, कमी-टी रेगुलर विभिन्न सुनिश्चित करना।
- ⑥ कानून बनाना → राज्य द्वारा सुनिश्चित करना।
 अतः विद्वानों के मते
 को रोकने के लिए विद्यार्थी एवं
 संस्थागत दोनों सुधारों की
 आवश्यकता है।

① लॉपड के पास उपलब्ध विकल्प

१) लॉपड परिवारिक दायित्व को
देखते हुए राजस्व का नाम हटा दें।

५) लॉपड बेदाग ड्रैक रिकार्ड का प्रतीक
रखीक्षक हैं। ऐसे में सभी दवावों को
दाखिला करते हुए निष्पक्ष रिपोर्ट
प्रस्तुत करें।

③ लॉपड राजस्व के नाम हटाने की
वस्तु अधिकारियों के निर्देश से लिखित
रूप में मांगें।

② प्रथम विकल्प का अलोचनात्मक मूल्यांकन

व्यक्तिगत दायित्व एवं स्वधित को
महत्व देने हुए राजस्व का नाम
हटाना सत्यनिष्ठ कार्य नहीं माना
जाएगा। सिविल सेवक को निष्पक्ष
एवं निष्पक्ष होना चाहिए। सना के
क्षमता अपने मूल्यों को गिरवी रखने

कोले ताल्कालिक लाभ दुनिश्चित कर
लेते हैं किन्तु संसारात्मा के लक्ष पर
अभ्युपगम हो जाते हैं।

द्वितीय विकल्प का मूल्यांकन

काण्ट के कर्तव्य के लिए कर्तव्य
एवं गीता के सिद्धांत वर्म के अनुसार
गैर लफ्फा होते हुए मैं राजनेता
एवं बंधूराधी के बाह्यो को उजागर
करूंगा -

डॉ. च-प्रकाश (IAS), दुर्गाशिखि नामपात्र
(IAS) साहि ने व्यस्मिता दिलों को
तिलजलि देते हुए बंधूय तेर चरन में
मंजवन बंधूराधी एवं सल्लिख राजनेता
के संबंधों को उजागर किया।

मैं यही विकल्प चुनूंगा क्योंकि इससे
मेरी संसारात्मा भी मुझे सहयोग करेगी
इसमें मैं अपने वेदांग इवि को संविधान
के मूल्यों के समुप का पाऊंगा।

9. राज, बेहद गरीब परिवार से है और आर्थिक तंगी के कारण उसे अपनी उच्चतर शिक्षा भी ठीक से नहीं हो पाई। हालांकि, वह मेहनती था और उसने अपने परिवार का समर्थन करने के लिए कॉलेज के दिनों में ही कमाई शुरू कर दी थी।

उसने अपना करियर, ग्राहक सहायता विभाग में बनाया तथा उसकी ईमानदारी और कड़ी मेहनत के कारण उसे पदोन्नत भी किया गया। हाल ही में, उसे एक बेहद नामी एड-टेक कंपनी से नौकरी का ऑफर मिला। उसने इस ऑफर को सहर्ष स्वीकार कर लिया, क्योंकि यह कंपनी उसके वेतन में अच्छी वृद्धि के साथ-साथ टीम लीड पद पर पदोन्नति ऑफर कर रही थी।

राज इस नई नौकरी से बहुत खुश था और उसे लगा कि उसकी कई वर्षों की मेहनत आखिरकार सफल हो गई है। उसकी नई नौकरी में वेतन में उल्लेखनीय वृद्धि से उसके लिए उसकी छोटी बहन को पढ़ाना आसान हो जाएगा। हालांकि, कंपनी में ज्वाइन करने के कुछ महीनों के भीतर ही राज को एहसास हुआ कि कंपनी की व्यावसायिक प्रथाओं में कुछ गड़बड़ी है। उसकी ग्राहक सहायता टीम को प्रायः गरीब छात्रों के माता-पिता के फोन आते रहते थे जिन्होंने शिकायत की थी कि कंपनी उन्हें विभिन्न महंगे पाठ्यक्रमों के लिए ऋण या वित्त-पोषण विकल्पों पर गुमराह कर रही है।

कुछ विवरणों को जानने के बाद उसे एहसास हुआ कि उसकी कंपनी की सेल्स टीम गरीब माता-पिता को अपने बच्चों हेतु पाठ्यक्रम खरीदने के लिए लुभाने में कदाचार का सहारा लेती थी। राजू ने इसकी जानकारी अपने विभाग के प्रमुख को दी लेकिन विभागाध्यक्ष को इसकी कोई चिंता नहीं थी। उसके कुछ सहकर्मियों ने उसे बताया कि सेल्स के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एड-टेक उद्योग में यह एक आम प्रणाली है। इसके अलावा, उसे यह भी बताया गया कि हाल ही में स्टार्ट-अप्स में फंडिंग की कमी के कारण कंपनी पर मुनाफा दिखाने का अधिक दबाव है, अन्यथा बड़े पैमाने पर छंटनी होगी।

- (a) इस प्रकरण से जुड़े नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
(b) उपर्युक्त परिस्थितियों में, राज के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
(c) इनमें से प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
(d) राज को कौन-सी कार्रवाई अपनानी चाहिए? वैध कारणों के माध्यम से पुष्टि कीजिए।

Raj comes from a very poor family and due to financial constraints, he had to compromise on his higher education. But, he was hard-working and started earning during his college days to support his family.

He made his career in the customer support department and due to his integrity and hard work, he was promoted. Recently, he got a job offer from a very prominent ed-tech company. He happily accepted the offer, as the company was offering a significant salary hike as well as promotion to a Team Lead position.

Raj was really happy with this new job and felt that his hard work of many years had finally paid off. The significant salary jump in his new job would also help him sponsor the education of his younger sister. But, within a few months of joining, Raj realized that something was wrong with the business practices of the company. His customer support team frequently received calls from parents of poor students who complained about the company misleading them on loans or financing options for the various expensive courses.

After going into some details, he realized that the sales team of his company was indulging in malpractices to lure poor parents to buy courses for their children. He informed this to the head of his department but the head did not seem concerned. Some of his colleagues informed him that this is a normal practice in the ed-tech industry to achieve sales targets. Further, he was also informed that due to the recent funding crunch in start-ups, the company is under severe pressure to show profits, else there will be mass layoffs.

- Identify the ethical issues associated with the case above.
- Under the given conditions, what are the options available to Raj?
- Critically evaluate each of these options.
- What course of action should Raj adopt? Justify with valid reasons. 20

कॉर्पोरेट गवर्नेंस के लिए अनिवार्य
जवाबदेहिता जैसे मूल्यों की सामान्यतः
बनदेजी की जाती है जिससे कार्मिक
व्यक्तिगत एवं कंपनी के हित के लिए
अवैध गतिविधियों का सहारा लेते हैं।
जैसे इस केस स्टडी में दिखाया
गया है।

① दत्तों निहित नैतिक मुद्दे
हितधारक नैतिक मुद्दे

④ राज

1) राज एक सत्यापित कार्मिक है
↳ सत्यापित को बनाए
रखना

2) राज की पारिवारिक जिम्मेदारी का निर्वहन
3) अधिकारी का बोध कर्मजनहित

- ④ कंपनी -- कंपनी की प्रॉपर्टी को बढ़ाना
→ कंपनी की दीर्घकालिक दृष्टि
पर खतरा
- लाभ काम जनहित

- ⑤ गरीब परिवारों पर
→ महंगा पाठ्यक्रम के द्वारा
कार्यक तंगी
→ कंपनी के बालक व्यपसाय
में फैसला

- १) कार्मिक -- कार्मिक की करैक्टिस्टिक्स
में संलग्न हैं
→ कार्मिकों की दायी सेट
भी है।

② इपलस्ड विकल्प

- ① राज इसकी रिक्वायर्ड कंपनी समुच्च
से करे।
- ② राज अन्य कर्मचारियों की शक्ति
इसे स्वीकार कर ले
- ③ राज विभागाध्यक्ष के सलाह का अनुसरण करे

③ मूल्यांकन

④ प्रथम विकल्प का मूल्यांकन

गुणों राज सत्यनिष्ठ रहते हुए
व्यावसायिक सक्षमता के साथ-साथ
नैतिक सक्षमता का परिचय दे
— राज कंपनी के दीर्घकालिक हित
को ध्यान में रखे।

द्वितीय कंपनी को वार्षिक सुझाव होगा
— कंपनी के दृष्टी में उसकी गैरकली
जा सकती है।

⑤ दूसरे विकल्प का मूल्यांकन — दूसरे

विकल्प के चयन से पारिवाहिक वार्षिक
आवश्यकताएँ एवं कंपनी के वित्तीय
वार्षिक हित का संरक्षण किंतु
दीर्घकालिक हित से समझौता एवं
पलायनवादी मानसिकता का आभास होगा।

⑥ तीसरी विकल्प न आधिकारी के लाभ

को जनहित से अधिक महत्व देना
इस बात का प्रचल है कि नैतिक
सक्षमता का अभाव है।

d) राज को प्रथम विकल्प का चुनाव करना
चाहिए। क्योंकि

① कार्मिक को कोर हाफ मंडर का
अनुसरण करना चाहिए।

② गांधी के अनुसार नैतिकता बिना
व्यापार पाप है।

③ प्रीक्षकात्मिक हित के द्वारा ही कंपनी
की छवि एवं आर्थिक स्वास्थ्य
प्रतिष्ठित किया जा सकता है।

④ कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अनुसरण
करना

⑤ बैंक मिन के उपयोगितावादी
पालन करना।

इसलिए राज को प्रथम विकल्प
का चुनाव करना चाहिए।

10. नगर निगम प्रमुख के रूप में, आपको एक चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ रहा है जिसमें संबंधित नागरिकों के दो समूहों ने आपसे संपर्क किया है। पहला समूह शहर में आवारा कुत्तों के खतरे के बारे में अपनी निराशा एवं चिंता व्यक्त कर रहा है और दूसरा समूह, इन बेजुबान जानवरों के प्रति करुणा व मानवीय व्यवहार को प्रोत्साहित करने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह कर रहा है। पहली याचिका में आवारा कुत्तों द्वारा समाज के सुभेद्य वर्ग, विशेषरूप से बच्चों पर हमला करने या उन्हें जान से मारने की बढ़ती घटनाओं पर प्रकाश डाला गया है। उनका कहना है कि यह स्थिति कुत्तों की अपर्याप्त नसबंदी और टीकाकरण के कारण हुई है। वे सड़क के कुत्तों को तत्काल हटाने और उन्हें अन्यत्र भेजने की मांग कर रहे हैं।

हालांकि, दूसरी याचिका में यह कहा गया है कि इस समस्या का मूल कारण अप्रभावी पशु स्वास्थ्य देखभाल और नियंत्रण, अवैध प्रजनन केंद्र, पालतू जानवरों के मालिकों द्वारा उन्हें सड़कों पर छोड़ देना है। उनका तर्क है कि इस स्थिति के लिए ज़िम्मेदार लोगों को सजा मिलनी चाहिए, जानवरों को नहीं।

इसके अतिरिक्त, भारत में ऐसे कानून हैं जिसके तहत सड़कों से कुत्ते को हटाना गैर-कानूनी है। इसका मतलब यह है कि यदि कोई कुत्ता सड़क पर रहता है, तो गोद लिए जाने तक सड़क पर रहना उसका "अधिकार" है। जानवरों के जीवन के अधिकार को मानव सुरक्षा संबंधी चिंताओं के साथ संतुलित करना एक कठिन काम सिद्ध हो रहा है।

- (a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाएं कौन-सी हैं?
(b) एक याचिका को दूसरे पर तरजीह देने के निहितार्थों का मूल्यांकन कीजिए।
(c) कौन-सी कार्रवाई से इस स्थिति का तात्कालिक और दीर्घावधि समाधान होगा?

As the Head of the Municipal Corporation, you are faced with a challenging situation wherein two groups of concerned citizens have approached you. One, expressing their frustrations and concerns regarding the menace caused by street dogs in the city and other, taking steps towards encouraging compassion and humane treatment to these silent beings.

The first plea highlights the rising incidents of stray dogs' attacking or killing the vulnerable members of society especially children. They point to inadequate sterilisation and vaccination of dogs as exacerbating the situation. They demand the immediate removal of street dogs and their relocation elsewhere.

The second plea however points to ineffective animal healthcare and control, illegal breeding centres, pet owners abandoning their pets on the streets as root of the problem. They argue that the system or the people responsible for the situation should be punished, not the animals.

Furthermore, India has laws in place that make it illegal to remove a dog from the streets. This means that once a dog is on the streets, it has a "right" to stay there unless adopted. Balancing the animals' right to life with human safety concerns is proving to be a difficult task.

- (a) What are the ethical dilemmas involved in the case?
(b) Evaluate the implications of favouring one plea over the other.
(c) What course of action would resolve the situation in the immediate as well as long term?

मानव पशु संघर्ष के द्वारा पशुओं एवं मानव दोनों को हानि पहुंचता है। पशु अधिकार संस्थाएं जैसे PETA पशुओं के अधिकार हेतु अभियान चला रही हैं वही इसी मोर पशु द्वारा मानव पर आक्रमण मानव के स्वास्थ्य एवं जीवन पर खतरा बन रहे हैं।

क) बसमें निहित दुविधाएं

① पशु के जीवन का अधिकार बनाम मानव जीवन

↳ अनुच्छेद 48 में पशुपालन का अधिकार है, अनुच्छेद 21 में मानवजीवन का अधिकार है।

② कानूनों का उल्लंघन बनाम पशु अधिकार
↳ पशु मानिक कृत्यों को कड़कों पर दोड़ देते हैं।

③ कुत्तों के प्रजनन, तसबंदी बनाकर
पशु दवाइयाँ

↳ पशुओं को भी मानव समान
प्रजनन का दवाइयाँ है

④ बच्चों के बचपन को संरक्षित
करना बनाम पशुओं के प्रतिरक्षण

b) यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि
आसू के मध्यम उत्पिपदा एवं गीला के
'आत्मनः प्रतिकूलानि प्रोक्तां न समाचरेत्'
का अनुसरण करना चाहिए। कर्षात्

यह जानना आवश्यक है कि कुत्ते की
बढ़ती जनसंख्या के पीछे कारण क्या है?
मानव - कुत्तों के बढ़ते संबंध के पीछे
कारण क्या है।

हाल पशु के दवाइयाँ का संरक्षण
भी करना होगा एवं लोगों के स्वास्थ्य
का भी।

① ऐसे में पशुपालक के अधिकार एवं कर्तव्य को कानून के अनुसार सुनिश्चित किया जाएगा।

② सड़कों पर छुले में धुम रहे कुत्तों को पकड़ने का कार्य करना।

↳ लावाशि कुत्ते

③ कुत्तों को पशुघा में रखना

④ PETA जैसे संस्थानों की पहल पर कड़े रेलु असोस।

⑤ गाल्फालिफ सगाथान

गाल्फालिफ सगाथान के रूप में सभी कोचहोल्डरों से बात करना एवं इसके अग्ररूप लावाशि कुत्तों को पशुघा में रखना होगा एवं सभी पशु मालिकों के कर्तव्य को सुनिश्चित करना होगा। इल्लंधन करने पर पण देने का अवधान होगा।

दीर्घकालिक समाधान.

- ① विधायी परिषद को लागू करने के लिए प्रशासनिक तत्त्विका।
- ② पशुओं के अधिकारों हेतु NPO's को तत्त्विक करना
- ③ बच्चों एवं पशुओं के स्वास्थ्य हेतु लीकाकरण।
- ④ मीडिया कर्मी, सिविल समाज के साथ-निरन्तर बैठक करना।

डा. मिशन सेवा के एनिल लिक्विड पुस्तक के अनुसार

पशु अधिकारों को संरक्षित करने लोगों के अधिकारों को भी महत्व देना होगा।

11. आप युवा ईमानदार व्यक्ति हैं और जिले के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में आपकी नई नियुक्त हुई है। ब्यूरो में शामिल होने के बाद, आपके कार्यालय को एक गुमनाम व्यक्ति से सूचना मिली कि शहर के नगर निगम में काम करने वाले एक इंजीनियर ने अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है और वह भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल है। चूंकि कानून में यह स्पष्ट है कि गुमनाम शिकायतों पर कार्रवाई नहीं की जा सकती, इसलिए आप शिकायत को नजरअंदाज कर देते हैं। हालांकि, अगले कुछ हफ्तों में आपको संबंधित इंजीनियर के खिलाफ कुछ और गुमनाम शिकायतें मिलीं। आप उस इंजीनियर के खिलाफ पूछताछ शुरू करते हैं और यह पाते हैं कि वह वास्तव में एक बहुत ही भ्रष्ट अधिकारी है। कुछ समय बाद, आप उसके कार्यालय और घर पर छापेमारी की योजना बनाते हैं, किंतु आपको आज तक उसके खिलाफ निर्धारित प्रारूप में कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है।

छापेमारी के दौरान आपको जो चीजें बरामद हुईं वे आपके और आपके स्टाफ के लिए चौंकाने वाली हैं। आपको न केवल इंजीनियर की क्षमता से कहीं अधिक मात्रा में बेहिसाब धन-दौलत मिली बल्कि सोना, विदेश यात्रा के टिकट, पांच सितारा होटलों में आरक्षण तथा प्रभावशाली राजनेताओं तथा जिले में पहले नियुक्त और वर्तमान में नियुक्त नौकरशाहों के खिलाफ पुख्ता सबूत मिले।

हालांकि, छापेमारी के तुरंत बाद, आपको अपने वरिष्ठ अधिकारियों से आपके दीर्घकालिक करियर और प्रियजनों की सुरक्षा के हित में जांच छोड़ने के लिए धमकी भरे संदेश प्राप्त होने लगते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर आरोप लगाते हैं कि आपने छापेमारी के लिए निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया था और यदि यह मामला अदालत तक पहुंच गया, तो प्रक्रियात्मक खामियों के कारण यह ज्यादा दिन तक नहीं चलेगा।

चूंकि, आप एक ईमानदार अधिकारी हैं इसलिए आप इन चेतावनियों को अनदेखा करते हैं और अपनी जांच जारी रखते हैं। हालांकि, जल्द ही आपको नियमों का उल्लंघन करने के आधार पर प्रशासनिक अवकाश पर भेज दिया जाता है। आपको यह भी पता चलता है कि आपके कुछ जूनियर्स ने आपके खिलाफ भ्रष्टाचार में शामिल होने की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने यह भी शिकायत की है कि आपने उन्हें जांच को रोकने के लिए न केवल संबंधित इंजीनियर बल्कि उन राजनेताओं और नौकरशाहों से भी पैसे वसूलने का निर्देश दिया, जिनके खिलाफ आपने सबूत इकट्ठे किए थे।

उपर्युक्त परिदृश्य के आधार पर निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- इस प्रकरण में शामिल विभिन्न हितधारकों एवं मुद्दों की पहचान कीजिए।
- प्रदत्त स्थिति में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
- इनमें से प्रत्येक विकल्प के गुण और दोषों का विश्लेषण कीजिए।
- औचित्य सिद्ध करते हुए अपनी कार्रवाई पर चर्चा कीजिए।

You are young upright person who has been newly appointed in the Anti-Corruption Bureau of your district. After joining, your office receives a tip-off from an anonymous person that an engineer working with the Municipal Corporation of the city has amassed wealth much beyond his known sources of income and is hand in gloves in corrupt activities. Because the law is clear that anonymous complaints cannot be acted upon, you ignore the complaint. But in the next few weeks, you receive a few more anonymous complaints against the concerned engineer. You begin to make enquiries against the engineer and find that he is indeed a very corrupt officer. Some

time later, you make up your mind to conduct raids on his office and house, even though you have not received any official complaint in the prescribed format against him till date.

What you unearth during the raids is shocking for you and your staff. You find not only vast amounts of unaccounted currency, much beyond the means of the engineer, but also gold, travel tickets to visits made abroad, reservations in five-star hotels, and a whole bunch of clinching evidence against influential politicians and bureaucrats - appointed in the past as well as present ones - in the district.

However, soon after conducting the raid, you start receiving subtle messages from your superiors to drop the investigation in the interest of your own long-term career and the safety and security of your loved ones. They also point out that you had not followed the rules stipulated for conducting the raid, and if the matter were to reach the courts, it would be disposed off in no time due to procedural lapses on your part.

Since, you are an upright officer, you ignore these warnings and continue with your investigation. However, soon you are put on administrative leave on the ground of flouting the rules. You also come to know that a few of your juniors have filed a complaint against you for being involved in corruption. They have also complained that you instructed them to extort money from not only the concerned engineer but also the politicians and bureaucrats against whom you unearthed evidence, to put a halt to the investigation.

Based on the above scenario, answer the following:

- Identify the various stakeholders and the issues involved in the case.
- What options do you have in the given situation?
- Analyse the merits and demerits of each of these options.
- Discuss your course of action, with proper justification.

20

राजनीतिक, वित्तीय, व्यक्तिगत के कारण
असह्यता को इस स्थिति में
जाती है। असह्यता जैसी परिस्थिति
पर कार्य करने वाले अधिकारी का
असह्यता स्थिति में या अवकाश पर
भेजना इसका भी भाग बात है।

१) हिताधारक मुद्दे

① में

- १) अत्याचार की जांच निष्पक्ष रूप में करना
- २) पारिवारिक सजिवता प्रवर्धन
- ३) उच्च अधिकारियों के दंडित
- ४) स्वयं पर अत्याचार का आरोप

② प्रवाक्शाली राजनेता १) अत्याचार में राजनीतिक-प्रशासनिक मजबूती

- २) राजनेता शक्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं

③ इंजीनियर —

- १) अल्प अधिकारियों के रूप में हैं
- २) धन शोधन में संलग्न

④ जुनियर्स —

- १) बुरा आरोप लगा रहे हैं
- २) उन पर उच्च अधिकारियों का दबाव

5) उपलब्ध विकल्प -

- ① मेरे पास उपलब्ध दस्तावेजों को अपने उच्चतम अधिकारी तक पहुंचाना
- ② 'आपात्त' में अपने जुटाए गए तथ्यों के साथ रहना।
- ③ समझौता कर लेना।
- ④ c) मूल्यांकन

प्रथम विकल्प -

गुण - 1) उपलब्ध दस्तावेजों को उच्चतम अधिकारी तक पहुंचाना ही छले के समर्थन का चोकर है।

2) वास्तविक एवं सत्यमिथ के होते हुए समझौतावादी नहीं बनना है।

दोष - 1) व्यक्तिगत हानि होने की संभावना है।

2) असत्यचार के आरोप द्वारा दबि खराब होगा।

द्वितीय विकल्प -

गुण- पापालप के समझ जाने से
निष्पक्ष जांच पुनिश्चित होगी
4 विपरीत परिस्थिति में भी-पापालप
पर विश्वास रिजाना दगात कोनिक
करेका है

दोष- संस्थान के कोर डॉक कंस्ट्र
का इल्लंधन है

तृतीय विकल्प

समझों तावादी होने से
दवि बेहर होगी एवं पुन! कार्यकार
मिल जाएगा किन्तु में भी
भ्रष्टाचार में शामिल हो जाऊंगा
जो अंतराल के विपरीत होगी

4) में पहली कारिवार्ड पुरंगा

द्वितीय

हीरोल कहते हैं जीने के
लिए मरने - पहाँ मरने का

आशाप स्वार्थ के आने से हैं, जीने
वा आशाप सड़गर्ग के लिए हैं

(६) आसुर रहते हैं - शत्रुओं पर
विजय पाने की अपेक्षा में अपने
इच्छाओं पर विजय पाने वाले को
अधिक महत्ती मानता है

(७) राजनी श्रेष्ठी शिक्षण (IAS) ने
भी चंदी कार्य किया था

अतः मैं ^{सुषम} सीमा विकल्प
अंतराल की आवाज पर चुनूंगा।

12. आपको एक राज्य में मुख्य सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। हाल ही में, आपके राज्य के दो लोक सेवकों से जुड़ा एक जटिल मुद्दा सामने आया है। दोनों अधिकारी जो अपनी-अपनी भूमिकाओं में उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं, सोशल मीडिया पर एक गंभीर सार्वजनिक झगड़े में उलझ गए हैं।

अधिकारी A के द्वारा सोशल मीडिया पर कई इमेज और बयानों को पोस्ट करने के बाद यह विवाद शुरू हुआ, जिसका अंतर्निहित अर्थ यह था कि अधिकारी B, पोस्टिंग और पदोन्नति में अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत संबंधों एवं नेटवर्किंग का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि, यह कार्रवाई अप्रमाणित है लेकिन इसने अफवाहों का तूफान खड़ा कर दिया है, जिससे अधिकारी B की प्रतिष्ठा को काफी क्षति पहुंची।

अनुक्रिया स्वरूप अधिकारी B ने सोशल मीडिया पर ही अपना बचाव किया तथा अधिकारी A पर अनैतिक प्रथाओं को अपनाने और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया। वह अपने आंतरिक विभागीय मुद्दों का खुलासा करके एक कदम आगे बढ़ गई, जिसमें अधिकारी A कथित तौर पर शामिल था। इन आरोपों ने न केवल संघर्ष को बढ़ाया बल्कि जनता के सामने संवेदनशील जानकारी भी उजागर कर दी।

अधिकारी A के सोशल मीडिया पोस्ट को एक स्थानीय समाचार आउटलेट ने प्रमुखता से उठाया एवं उसे प्रचारित किया, जिससे स्थिति और भी बिगड़ गई। यह मुद्दा अब राज्य प्रशासन के दायरे से बाहर चला गया है, जिससे सार्वजनिक अटकलें और मीडिया जांच तेज हो गई है।

ये सभी घटनाएं सार्वजनिक मंच पर सामने आईं, इससे लोक सेवाओं की छवि खराब हुई है और राज्य प्रशासन के काम-काज में व्यवधान पैदा हुआ। केंद्र सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और इसमें शामिल अधिकारियों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए दबाव डाला गया है।

- (a) इस प्रकरण में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?
(b) मुख्य सचिव के रूप में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
(c) आप कौन-सा विकल्प चुनेंगे और क्यों?

You have been appointed as the Chief Secretary in a state. Recently, a complex issue has surfaced involving two civil servants from your state. Both the officers who are known for their excellence in their respective roles have found themselves embroiled in an intense public feud on social media.

Officer A initiated the dispute by posting a series of images and statements on social media, indirectly implying that Officer B has been utilizing personal relationships and networking for gaining undue advantages in job postings and promotions. This action, while unproven, has stirred up a storm of rumors, leading to severe reputational damage to Officer B.

In response, Officer B defended herself on the same platform, accusing Officer A of unethical practices and breach of confidentiality. She went a step further by revealing his internal departmental issues, which Officer A was supposedly involved in. These allegations have not only escalated the conflict but also exposed sensitive information to the public.

Officer A's social media posts have been prominently picked up and publicised by a local news outlet further escalating the situation. The issue has now gone beyond the realms of the state administration, leading to intense public speculation and media scrutiny.

All these events have unfolded on a public platform and have tarnished the image of the civil services and created a disruption in the working of the state administration. The Central Government is closely monitoring the situation and has exerted pressure for appropriate disciplinary action against the officers involved.

- (a) What are ethical issues involved in this situation?
(b) What are the options available to you as the Chief Secretary?
(c) Which option would you choose and why?

20

सोशल मीडिया वर्तमान में पब्लिसिटी का सस्ता प्लेटफॉर्म बन गया है। ऐसे में इसके द्वारा सिविल सेवा की अपनी व्यक्तिगत लाइफ को पारिवर्तित कर दिए हैं।

④ निहित नैतिक मुद्दे

- १) सिविल सेवा प्रभावली १९६५ का उल्लंघन।
- २) आंशिक जानकारी का सासा करना
- ३) व्यक्तिगत हक़ के लिए मूल्यों का उल्लंघन
- ८) सिविल सेवा के मूल्यों पर नकारात्मक प्रभाव

5) मुख्य तन्त्रि के रूप में
मेरे पास उपलब्ध विकल्प -

① मैं अनुशासनात्मक कार्रवाई के ~~लिए~~ के
द्वारा दोनों को पद से हटा दूंगा

② दोनों अधिकारियों को चेतावनी
देकर छोड़ दूंगा

③ एक कमरे की गाठन करके दूसरी
नॉन-एम्प्लॉय करवा दूंगा।

④ दोनों अधिकारियों को घुलकर मामले
की जानकारी दूंगा

मेरा निर्णय - (तात्कालिक)

1) मैं तत्पश्चात् एक कमरे की
गाठन करूंगा एवं उसके द्वारा
निस्पृह जांच करवा दूंगा

2) उसके साथ ही दोनों 'अधिकारियों'
को तब तक बर्खास्त पर रोक दूंगा

- 1) मीडिया से संपर्क करके उन्हें विश्वास दिनांकों की राखील कारिवा की जाएगी।
- 2) दोनों सिविल सेवकों को र.क.मी. के निर्माण करुण
- 3) सभी कोपटोवर से संपर्क करना दीर्घकालिक।
- 1) रायण प्रियमावली को सशस्त्र करवाऊंगा
- 2) सिविल सेवकों को मीडिया सशस्त्र की प्रशिक्षण शुरू करवाऊंगा
- 3) समय-समय पर सिविल सेवकों का प्रशिक्षण होगा।
- 4) व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन से दायगाव का प्रशिक्षण होगा

मतः त्रैविध्यं रूपं ते
निर्वाणं लैकं मुल्यं सो
सिंहस्तु कानि का श्याम रङ्गा